लिखना सीखने-सिखाने का बुनियादी ताना-बाना

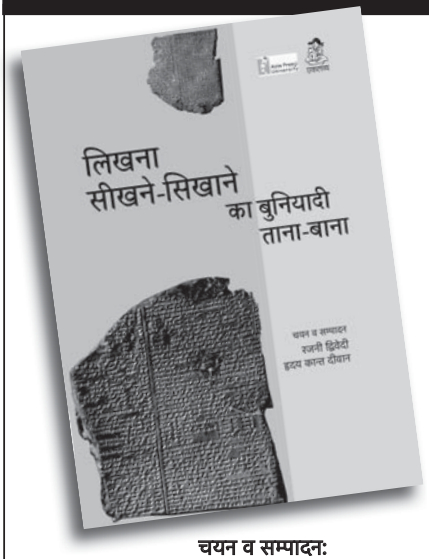

चयन व सम्पादन:
रजनी द्विवेदी व हृदय कान्त दीवान

लिखना अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण रूप और भाषा का एक प्रमुख कौशल है। लिखना सीखने-सिखाने के ताने-बाने की बुनियादी समझ हरेक शिक्षक के लिए आवश्यक है क्योंकि तभी वे बच्चों के लिखना सीखने की प्रक्रिया, लिखना सीखने में उन्हें होने वाली समस्याओं और लिखना सिखाने के सही तरीकों के बारे में जान पाएँगे। *लिखना सीखने-सिखाने का बुनियादी ताना-बाना* किताब में इन्हीं विषयों पर शुरुआती समझ विकसित करने वाले आलेखों को शामिल किया गया है।

इसमें लिखने को लेकर बने नीतिगत दस्तावेज़ों की आलोचनात्मक समीक्षा तो है ही, साथ ही, स्कूलों में लिखना सीखने-सिखाने के मौजूदा तौर-तरीकों में समस्याओं, प्राथमिक से लेकर उच्च-प्राथमिक कक्षाओं में लिखना सिखाने के लिए की जा सकने वाली गतिविधियों, व शिक्षकों को लिखना कैसे सिखाया जाए जैसे कई ज़रूरी विषयों पर प्रकाश डाला गया है। इस पुस्तक के चार खण्डों में लिखना क्या है, लिखना सिखाने, इसके परिप्रेक्ष्यों, इसके आकलन और विश्लेषण व लिखना सिखाने की तैयारी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई है।

भाषा शिक्षण के बुनियादी पहलुओं पर रोशनी डालने वाली किताबों की शृंखला की यह तीसरी किताब है जिसका विकास अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय और एकलव्य ने मिलकर किया है। यह किताब भाषा शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों व बच्चों को लिखना सिखाने में मदद करनेवाले अन्य लोगों को लिखना सीखने-सिखाने के विभिन्न पहलुओं को समझने में मददगार साबित होगी।

अपनी प्रति बुक कराने के लिए सम्पर्क करें...

एकलव्य फाउंडेशन

जमनालाल बजाज परिसर, जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र)

फोनः **+91 755 297 7770-71-72;** ईमेलः **pitara@eklavya.in**

www.eklavya.in | www.eklavyapitara.in

एकलव्य